This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5738**

Unique Paper Code : **210651** **E**

Name of the Paper : **Philosophical Debates-II**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Philosophy Discipline**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Explain Sāṁkhya's criticism of Cārvāka's view on consciousness.

चार्वाक के चेतना संबंधित मत के विषय में सांख्य द्वारा की गई आलोचना की व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

2. Critically examine the Buddhist doctrine of Kṣaṇikavāda.

बौद्धदर्शन के क्षणिकवाद के सिद्धांत की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

3. Explain the Jaina doctrine of Anekāntavāda. State Sāṁkara's critique of it.

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद सिद्धांत को समझाइये। शंकर द्वारा उसकी की गई आलोचना दीजिए।

4. Discuss critically the Nyāyā proofs for the God's existence.

न्याय के द्वारा दिये गये ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाणों का आलोचनात्मक विवरण दीजिए।

5. Evaluate Sāṁkhya dualism with reference to Sāṁkara's criticism.

शंकर की आलोचना के संदर्भ में सांख्य के द्वैतवाद का मूल्यांकन कीजिए।

6. Discuss Sāṁkarā's views on Brahman. Give Rāmānuja's critique of it.

ब्रह्म के विषय में शंकर के मत की व्याख्या कीजिए। रामानुज द्वारा दी गई उसकी आलोचना कीजिए।

This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5739**

Unique Paper Code : **210651** **E**

Name of the Paper : **Philosophical Debates-II**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Philosophy Discipline**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. Do you agree with Cārvāka's view regarding rejection of consciousness ? Give reasons.

   क्या आप चार्वाक द्वारा दिए गए चेतना के खंडन के सिद्धांत से सहमत हैं ? कारण दीजिए।

P.T.O.

2. Explain the Buddhist view that, 'reality is momentary'. State Nyāyā's criticism of it.

बौद्ध दर्शन का मत कि 'सत्ता क्षणिक है', की व्याख्या कीजिए। न्याय की इस संदर्भ में आलोचना दीजिए।

3. Discuss Sāṁkara's criticism of the Jaina theory of Anekāntavāda..

अनेकान्तवाद के जैन सिद्धांत के संदर्भ में शंकर द्वारा प्रतिपादित आलोचना की विवेचना कीजिए।

4. State the Jaina critique of Nyāya proofs for God's existence.

न्याय के द्वारा दिए गए ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाणों की जैन द्वारा दी गई आलोचना का उल्लेख कीजिए।

5. Explain the nature of Prakriti and state the proofs given by Sāṁkhya.

सांख्य द्वारा दी गई प्रकृति के स्वरूप तथा उसके प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

6. Explain and evaluate the concept of Māyā as propounded by Sāṁkara.

शंकर द्वारा प्रतिपादित माया के प्रत्यय की व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए।